

चैन की वंशी बजाना	= खूब आनंद से रहना।
छक्के छुड़ाना	= पराजित कर देना, परेशान कर देना।
छाती पर मूँग दलना	= साथ में रहते हुए भी किसी को कष्ट देते रहना या बदला लेना।
जख्म पर नमक छिड़कना	= दुःखी को और दुखी करना।
जान पर खेलना	= ऐसा खतरनाक कार्य करना जिसमें जान जाने का डर हो। दुःसाहस करना।
टका सा जवाब देना	= साफ मना कर देना।
टाँय-टाँय फिस होना	= धूमधाम से शुरू किये काम का प्रभावहीन हो जाना।
डंके की चोट पर कहना	= किसी बात को आत्म विश्वास और निडरता के साथ कहना।
डींग हाँकना	= बहुत लंबी चौड़ी बातें करना।
तिल का ताड़ बनाना	= छोटी बात को बहुत बढ़ा चढ़ा कर बताना।
थाली का बैंगन	= अस्थिर विचारों वाला व्यक्ति
दाँत खट्टे करना	= हरा देना।
दाँतो तले उँगली दबाना	= आश्चर्य में पड़ना।
दाल न गलना	= प्रयत्न करने पर भी सफल न हो पाना।
धज्जियाँ उड़ाना	= किसी के विचारों का पूरी तरह से खंडन करना।
नाक कटना	= बेइज्जती होना।
न तीन में न तेरह में	= 1. लाभ-हानि से परे रहना। 2. कहीं का न रह पाना।
निन्यानबे का चक्कर	= किसी तरह धन बढ़ाने का प्रयत्न।
नौ दो ग्यारह होना	= गायब हो जाना।
पट्टी पढ़ाना	= किसी को बहकाना या फुसलाना।
परदाफ़ाश करना	= भेद खोलना।
नाको चने चबाना	= बहुत परेशान करना।